Date २५/०५/२०२१ Page no.

Ch-8

यात्रा वृतान्त! किन्नौर

किन्नौर देश - हिमाचल प्रदेश का एक रमणीक भाग जो तिब्बत की सीमा पर बसा है।
ठमकना - चलते-रूक जाना
खानाबदोश - जिनका कोई घर, ठौर-ठिकाना न हो
सत्कार - आदर सम्मान
अत्युक्ति - बढ़ा-चढ़ा कर कहना
अभ्यस्त - जिसने अभ्यास किया हो
अरस्तवल - घुड़साल
आर्या - आभी
गत - दशा
महाल्य - महल
चश्मा - झरना
वृक्ष संकुल - वृक्षों से भरा।

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।-

प्र०(क)- प्रस्तुत पाठ किस स्थान का भाग वृतांत है
उ०(क)- प्रस्तुत पाठ किन्नौर (हिमाचल प्रदेश) स्थान का भाग वृतांत है।

प्र०(ख) धार किसे कहते हैं
उ०(ख). सतलुज नदी के जल प्रवाह (बहाव) को धार (धारा) कहा जाता है।

Date Page no.

प्र० (ग) - लेखक सहारन डाक बंगले पर कब तथा किस प्रकार पहुँचा ?

उ० (ग) कष्टों को सहन करते हुए थकान के साथ सूर्यास्त के समय लेखक सहारन डाक बंगले पर पहुँचा।

प्र० (घ) ऊर्णी सारी किसे कहते है ?

उ० (घ) केवल के समान लंबी चौड़ी साड़ी को ऊर्णी सारी कहते है। जिसे किन्नौर की महिलाएँ पहनती है।

प्र० (ङ.) लेखक ने बनिये की दुकान से सामान क्यों नही खरीदा ?

उ० (ङ.) बनिये की दुकान में आलू और गुड़ के अलावा और कोई सामान नहीं था ? इसलिए लेखक ने कुछ नही खरीदा।

प्र० (च) वस्पा में अंगूर क्यों नही लगाते है ?

उ० (च) - अधिक वर्षा होने के कारण वस्पा में अंगूर फट जाते है। इसलिए यहाँ के लोग अंगूर के बाग नहीं लगाते।

[signature] 21